

कक्षा : नवमी : गतिविधि

परिचय

पाठ्यपुस्तक	कृतिका भाग एक
पाठ	इस जल प्रलय में
शीर्षक	नारे-लेखन
समय	एक कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	चार
कौशल	लेखन-वाचन कौशल
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ और कलम

चरण:- 1.शैक्षिक अधिगम:-

- * नारे लेखन कला से अवगत हो सकेंगी ।
- * सटीकता, प्रभावशाली लेखन के स्तर में सुधार कर सकेंगी ।
- * सामाजिक ,पर्यावरणिक जागरूकता में वृद्धि होगी ।
- *जहाँ एक ओर सामूहिक कार्य करते हुए उनमें एक जुटता की भावना का विकास होगा वहीं दूसरी ओर वे कम समय में एक बड़े कार्य को करने की कला को भी जान सकेंगी ।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- *अध्यापिका के निर्देशानुसार कक्षा की सभी छात्राओं को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाएगा ।
- *सभी समूहों को नारे-लेखन का कार्य दिया जाएगा । विषय:-

जल की महत्ता, जल बचाव के उपाय, जलप्रदूषण के कारणों के प्रति जागरूकता जगाना, अशुद्ध जल से होने वाली बिमारियों से बचाव

- *चयनित विषयों में से किसी एक उपाय को चुन कर चार-चार नारे लिखेंगी ।
- *क्रमशः अपने नारे कक्षा को सुनाएंगी ।
- *तत्पश्चात् उनका संकलन कर एक भीति चित्र बनाएंगी ।
- *अध्यापिका अंत में इन भीति-चित्र का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।

3.छात्र-गतिविधि:-

- *अध्यापिका द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार छात्राएं अपना-अपना कार्य करेंगी
- * छात्राएं प्राप्त मानदंडों के आधार पर नारे लेखन कर अपनी कक्षा को सुनाएंगी और अपना भीतिचित्र तैयार करेंगी ।
- *अंत में छात्राएं मूल्यांकन हेतु अपना भीतिचित्र अध्यापिका को देंगी ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1